

मेरा सपना ग्रैमी अवॉर्ड जीतना है, बिंग बॉस नहीं, बोलीं नेहा भसीन

बिंग बॉस 15 से कुछ दिन पहले ही बाहर हुई सिंगर नेहा भसीन को अपने इंविटेशन का मलाल तो है, पर खुशी भी है कि वह लोगों के दिलों पर छाप छोड़ रही है। नेहा भसीन को बिंग बॉस 15 के मजबूत कटेस्टेशन में से एक माना जा रहा



था, लेकिन वह ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाई। नेहा भसीन का कहाना है कि उनका सपना ग्रैमी अवॉर्ड जीतना है न कि बिंग बॉस की ट्रॉफी। हाल ही नेहा भसीन के साथ बात की। इंटर्व्यू के दौरान नेहा भसीन ने बिंग बॉस के मालैल से लेकर गेम ल्यान और ट्रॉलिंग पर बात की। साथ ही बताया कि उनका सपना ग्रैमी जीतने का है।

मेरा सपना ग्रैमी जीतना, न कि बिंग बॉस की ट्रॉफी-नेहा भसीन ने कहा, ईमानदारी से बताऊं तो मैं ग्रैमी अवॉर्ड्स जीतने का सपना देख रखा हूं न कि बिंग बॉस ट्रॉफी का। बिंग बॉस एक बहुत ही खुबसूरत लैंडेंस है, लेकिन मैं सपना हमेशा ही एक ग्रैमी अवॉर्ड जीतने का रहेगा। बिंग बॉस के लिए बहुत ही ज्यादा सर्वावल इंस्ट्रक्ट की ज़रूरत है और मैंने अपनी चिंहों के विनार के रूप में बिरात है। मैंने बेशक उन चीजों पर जीत हासिल किया। उनका कहाना है कि उन्हें संकेत और लक्षण पांच बार स्वास्थ्य समस्याओं के लिए खतरे की चंडी साकेत हो सकते हैं।

अब वापस नहीं जाएंगी नेहा, रियलिटी शो जज करने की खालियाँ-नेहा भसीन ने बताया कि बिंग बॉस 15 करने के बाद उन्हें चीजों का अहसास हुआ। खुद से घार उनकी प्रायरिटी बन गया है। अब वह खुद को पहले से भी ज्यादा घार करने लगी है। हालांकि नेहा ने कहा कि अब वह रियलिटी शो में वापस नहीं जाना चाहेंगी। अब भसीन ने कहा, एक ही साल में बताएं बोल्ड टो दो बिंग बॉस एंटीटी मेरे जैसे बहुत लोगों के लिए था, वहीं बिंग बॉस 15 में असली गेम चल रहा है।

हमारा वतन साप्ताहिक

Hamara WATAN Weekly संस्थापित 1965ء
رائجیہ دینی و تعلیمی اخبار کی سروکتم امیڈیا کی پ्रतیک

کہاں خواہ لیکھے کوئی، بارگاشتا جنمانا ہے،
کہانے پے بھی چلنا ہے، دامن بھی بچانا ہے।

तीन कानूनों से आगे की बात

बेशक यह कहा जा सकता है कि कृषि कानूनों को लागू करने और उनको रद्द करने से जमीन पर बहु कुछ नहीं बदला है, लेकिन इससे कम से कम इतना तो हुआ ही है कि हमारे कृषि संकट के बारे में जन-जगलकता बढ़ी है और उक्ता समाजानन निकालने के लिए तो संक्रिया की अधिकता सभी को अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने का एकन किया, जिनके पछले साल सितंबर में संसद से पारिया था। शीतलान भूमि के पहले ही दिन उन कानूनों को वापस भी ले लिया गया। जिस तरह से पिछले साल इन कानूनों को पास किया गया था, तीक उसी तरह अब बिना किसी चर्चा के उक्तो नियन्त्रण भी कर दिया गया।

राम गोपाल सैनी

ऐसे में, उनको क्यों पेश किया गया और क्यों रद्द किया गया, यह अब भी अधिकारिक तौर पर एक अनुचित घटना है। बहिरकाल, संक्रिया प्रक्रिया से इन कानूनों को आगे बढ़ाने से पहले ही इनका वापस होना तथा यह सर्वोच्च अदालत ने उक्तों को लागू करने पर रोक लगा स्तरी थी। तथा यही है कि सकार उन तीनों कृषि कानूनों के प्रति अपनी प्रतिवेदनों से पछें हटी है। यह आवश्यक बस्तु अधिनियम (ईंवी) के इसमाल से स्पष्ट है, जो उन कानूनों में ऐसी है कि उनको संस्थित किया गया था। न सिफर कुछ कानूनों में ईंवी का इस्तेमाल असंतो बना किया गया था, बल्कि यह भी दिखाता है कि केंद्र सरकार उन प्राक्थनों को लाने के लिए तैयार हो गई थी, जिससे यह कानून खत्म हो जाता हालांकि, यह भी स्पष्ट है कि सकार की अपनी हिचकिचाहट से कहीं अधिक कानूनों की वापसी मुख्यतः किसान संघों के विरोध के कारण हुई।

गोविन्दगढ़ में हुआ 'अभिनव कलेक्शन' का भव्य शुभारम्भ

जयपुर (हमारा वतन) चौमू तस्सील के गोविन्दगढ़ में अभिनव कलेक्शन का भव्य शुभारम्भ मुख्य अधिकारी गोविन्दगढ़ डिप्टी संदीप सरस्वत, नगरपालिका चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी और कालाडी कॉलेज आचार्य अध्यक्ष चन्द्रकला नायरी ने फैक्टर काटकर किया। अभिनव कलेक्शन के संचालक गहल कलायों ने बताया की हाथों वहाँ पेंट, शर्ट, ओडीनी, लहंगा, वीवालिक साड़ीयाँ, फैक्टी साड़ीयाँ, बीचों का वेस, सूर्विंग शर्टिंग, डेस मेंटरिंग विल्हिल्मों व पुरुषों के सभी प्रकार के उच्च क्रालिटी के कपड़े त्रिचित रेट पर उलझ हैं। नवीन प्रतिश्वान के शुभारम्भ पर गोविन्दगढ़ सरपंच ओमप्रकाश शारदा, मोहन लाल सरावता लोहरवाडा, मुकेश मोना



उद्घाटन, नन्हे यादव मलिकपुर, मनीष सामान्यान नांगर भड़ा, अब्दी कुमार जिला परिषद सदस्य, समन्वय चौधरी पंचायत समिति सरस्वत, सुरेश फौजी, योगेन्द्र कालिया

पर्व पंचायत समिति सदस्य झालावाड़, गोरीपंकर कमावत, प्रहलाद शर्मा, बाबूलाल सिंगोदिया, कैलाश चन्द्र कालोया अद्वित ने उभुकमानान् दी।

राज्यपाल से राज्यसभा सांसद पटेल की मुलाकात जयपुर(नि.स.)। कलराज मिश्र से यहाँ राजभवन में राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिक्षाचार भेंट थी।

नौकरशाही की सोच में बदलाव की जरूरत है

पिछले दिनों सीजेआई ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अफसर यह न भूलें की कानून की जहां समाधारी दल के इशारों पर चलने का यह नुकसान हो सकता है कि जब दूसरी पाती तो आती है तो बदला ही बदला ही देता है तो उन प्रेसों के मुख्यमंत्री के गृह नगर गोरखपुर में एक निर्देश युवा व्यापारी को पुलिस ने पीछे-पीछे कर राख डाला। गलती समझ में आई तो बता दिया कि बेंड से गिरने से मौत हुई है। थोड़ा जनाक्रांत के मध्य मुक्त की पांच से बीड़ियों में जी एम / एस पी कह रहे हैं कि मुकदमे से क्या बिलेग कोइ जननवकार तो मार नहीं। दोनों अधिकारी प्रशासनिक सेवा के शीर्ष केडर से चुने गए हैं और कानून के प्रति वकालती की स्थिति ली हुई है।

कुछ अरसे पुर्व इसी राज्य के हाथसे जिले में डीएस / एसपी ने टुकर्म और हत्या की शिकाएक दल का शब्द जबरदस्ती अंतिम संकार के नाम पर जला दिया था।

-इन अधिकारियों को किस संघीय में डाला गया है?

-क्या चुने जाने और मासूरी/ हैदराबाद में ट्रेनिंग के बाद इनमें से अधिकांश की संवेदना मर जाती है?

अभी कुछ हफ्ते पहले ही एक युवा आईएएस ने अगर आगे बढ़े तो आदेलित किसानों का केवल फटा हुआ सिर देखने का आदेश पुलिस को दिया था।

सारियर, जरा तीनों मालानों में कहीं भी यह अधिकारी कानून की रक्षा करते हुए नहीं दिख रहे हैं। हफ्ते केस में स्थानीय एस एस आपार गुस्ता दोषी हो तो दूसरे में गांव का दबाव और तीसरे में तो मार डेंसों से ही किसानों के प्रति हिस्सा भाव। पर सब का डेंस एक ही है सता वर्ग को कहु कुछ समान्य दिखे और राजनीतिक घाटा ना हो -वया यू पी एस सी की चुनाव प्रक्रिया में कोई दोष है?



खबरों, विज्ञान एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें।

Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञानदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञानों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वोकरों के नाम से खाता संख्या 61079058819' प्रस्तुती आई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, एटीएस गुलात-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

माली समाज ने मनाई महात्मा ज्योतिराव फुले की पुण्यतिथि

चौमू (हमारा वतन) चौमू के



रीपास गेड सैनी सभा भवन में महात्मा ज्योतिराव फुले विकास संस्थान के पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी के मुख्य प्रतिष्ठान पर पुण्यतिथि नाम पर यात्रा विदेशी गुलात, रामेश्वर महाराज, विदेशी गुलात तंबर, अमृत लाल सिंगोदिया, सूवा लाल तंबर, योगेन्द्र कालोया, लाल सिंह सोनी, डॉ विजय कुमार जामालपुरिया, सुयुक मंत्री ओमप्रकाश, सावर मल तंबर भवन निर्माण समिति अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष मन लाल सतरावता, योगेन्द्र कालोया, रामचंद्र चंद्रलिया, प्रभाती लाल सेकेरी, नानगमपाल सतरावता, शंकर लाल जाखड़, नाथू लाल सिंगोदिया, मदन लाल तंबर, योगी लाल सैनी, सुजुल मल अधेसिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष शकर लाल सैनी ने सभी आगुन्तुओं

को धन्यवाद देकर

आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपायक राज कुमार कंकरवाल, मंत्री ओमप्रकाश, तंबर, कोषांध्यक महेंद्र कुमार

जामालपुरिया, सुयुक मंत्री ओमप्रकाश, सावर मल तंबर भवन निर्माण समिति अध्यक्ष में भगवान सहाय सैनी ने महात्मा ज्योतिराव फुले के चित्र पर पुण्यतिथि करते हुए महात्मा जी के पर्वतीन्द्र पर चढ़ते हुए समाज में व्यापक कुरुतीयों को दूर करने का आवाहन किया। कार्किंठ में विष्णु कुमार सैनी ने भी महात्मा जी के जीवन पर क्राकाश डाला। संस्थान संस्करक प्रहलाद सहाय अधेसिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष शकर लाल सैनी ने सभी आगुन्तुओं

को धन्यवाद देकर उपर दिया गया।

इस अवसर पर दिया दत्ता, प्रमुख जारी

सुनील पाल, अरुण वल्ली और बहुत से एस प्रिस्ट्रु अधिनेता और अपने क्षेत्र में

अपना नाम ऊंचा करने वाले विजयसमैन

, संगीतकार, फिल्म निर्माता - निर्देशक उपस्थित रहे। गौरतलब है की डॉ डॉ अशोक गुलात को यह पुस्कर मिलने पर उनके मित्र गण तथा पत्रकारिता जगत, शिक्षा जगत और पिल्ली दुनिया से जुड़े कई लोगों ने बधाई दी।

ज्योतिराव लाल सिंह चंद्रलिया, उप

मासांचिव द्विंद्र सिंह हरसोलिया, उप

कोषांध्यक रामचंद्र चंद्रलिया, उप

कार्यकारी छन्दोला, विदेशी संघीय

जाटावल, रामावतार बौंयाला, उप

मासांचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, उप

कोषांध्यक चंद्रलिया, उप

कार्यकारी छन्दोला, उप

कार्यकारी छन्दोला,